No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

01546

जून, 2018

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) चाहे संकीर्ण कहो या पूर्वाग्रही
मैं जिस टीस को बरसों बरस
सहता रहा हूँ
अपनी त्वचा पर
सुई की चुभन जैसे,
उसका स्वाद एक बार चखकर देखो
हिल जाएगा पाँव तले ज़मीन का टुकड़ा ।

(ख) यदि विधान लागू हो जाता कि
तुम्हारे जीवन का कोई मूल्य नहीं ।
कोई भी कर सकता है तुम्हारा वध
ले सकता है, तुमसे बेगार
तुम्हारी स्त्री, बहिन और पुत्री के साथ,
कर सकता है बलात्कार
जला सकता है घर-बार ।
तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?

(ग) दो-दो बेटियाँ हैं । वर ढूँढ़ने निकलेंगे तो यही ताना सुनने को मिलेगा कि तुम तो दुसाध-चमार हो गए, उनके साथ उठते-बैठते हो, उनकी बातें करते हो तो ब्याहो उन्हीं के बाल-बच्चों से अपनी बेटियाँ । माना कि तुम्हारी सोच काफ़ी ऊँची है, ये तुम्हारी सोच है, न कि बिरादरी की ।

(घ) हम दोनों भाई-बहनों का हाथ पकड़ के तीर की तरह उठकर चल दी थी । सुखदेव सिंह माँ पर हाथ उठाने के लिए झपटा था, लेकिन मेरी माँ ने शेरनी की तरह सामना किया था । बिना डरे । उसके बाद माँ कभी उनके दरवाज़े पर नहीं गई और जूठन का सिलसिला भी उस घटना के बाद बंद हो गया था ।

2. 'जनपथ' कविता का विश्लेषण करते हुए उसका मंतव्य स्पष्ट कीजिए । *10*

3. दलित कहानी की सोद्देश्यता पर विचार कीजिए । *10*

4. दलित आत्मकथनों में व्यक्त धार्मिक विश्वासों की समीक्षा कीजिए । *10*

5. 'सुमंगली' दलित स्त्री के तिहरे शोषण की कहानी है – इस कथन पर विचार कीजिए । *10*

6. 'यही सच है' कविता का मर्म उद्घाटित कीजिए । *10*

7. 'अपने-अपने पिंजरे' में अभिव्यक्त सरोकारों को रेखांकित कीजिए । *10*